कार्यपत्र-17

1. सही उत्तर के आगे ठीक (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) 'पाप-पुण्य' में कौन-सा समास है? (iii) द्वंद्व ✓

(ख) 'त्रिभुज' का समास विग्रह होगा– (i) तीन भुजाओं का समूह ✓

(ग) इनमें कर्मधारय समास का उदाहरण है– (ii) महादेव ✓

(घ) 'मालगाड़ी' शब्द में कौन-सा समास है? (iv) तत्पुरुष ✓

(ङ) इनमें अव्ययीभाव समास का उदाहरण नहीं है– (i) गंगाजल ✓

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) दो या दो से अधिक परस्पर संबंध रखने वाले शब्दों के मेल को समास कहते हैं। इसके छह भेद हैं– अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, द्वंद्व, बहुव्रीहि समास।

(ख) द्विगु समास में पहला पद संख्यावाचक होता है और समस्तपद से समुदाय का बोध होता है जबकि बहुव्रीहि में भी पहला खंड संख्यावाचक हो सकता है पर उसके योग से जो समस्तपद बनता है वह किसी अन्य अथवा तीसरे अर्थ का बोधक भी होता है। जैसे–

चतुर्भुज चार भुजाओं का समाहार – (द्विगु समास)

चार भुजाएँ हैं जिसकी (विष्णु) – बहुव्रीहि समास

(ग) जिस सामासिक शब्द का उत्तर पद प्रधान हो तथा पूर्व एवं उत्तर पद में विशेषण-विशेष्य, उपमान-उपमेय का संबंध हो, उसे कर्मधारय समास कहते हैं। जैसे– महान है जो वीर = महावीर।

3. निम्नलिखित समस्तपदों के भेद लिखिए।

(क) परमेश्वर	कर्मधारय समास	(ख) प्रतिपल	अव्ययीभाव समास
(ग) देशभक्ति	तत्पुरुष समास	(घ) दाल-भात	द्वंद्व समास
(ङ) वीणापाणि	बहुव्रीहि समास	(च) चवन्नी	द्विगु समास
(छ) घनश्याम	कर्मधारय समास	(ज) वनवास	तत्पुरुष समास

4. निम्नलिखित समस्तपदों का समास-विग्रह कीजिए।

(क) न्यायालय	न्याय के लिए आलय	(ख) खरा-खोटा	खरा या खोटा
(ग) नवरस	नव रसों का समाहार	(घ) महाराजा	महान है जो राजा
(ङ) राहखर्च	राह के लिए खर्च	(च) बेशक	बिना शक
(छ) जन्मांध	जन्म से अंधा	(ज) दशानन	दश हैं आनन जिसके
(झ) षडानन	छह हैं आनन जिसके	(ञ) तिरंगा	तीन रंगों का समूह

5. निम्नलिखित समास भेदों के दो-दो उदाहरण लिखिए।

(क) अव्ययीभाव	जन्मांध	प्रतिक्षण
(ख) तत्पुरुष	रसोईघर	देशभक्ति
(ग) द्विगु	शताब्दी	त्रिफला
(घ) कर्मधारय	परमात्मा	चंद्रमुख
(ङ) बहुव्रीहि	गजानन	लंबोदर